चम्पारण ज्ञानाग्रह

प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक– 16 अप्रैल 2026, अंक –259.

प्रस्तुतिः- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."

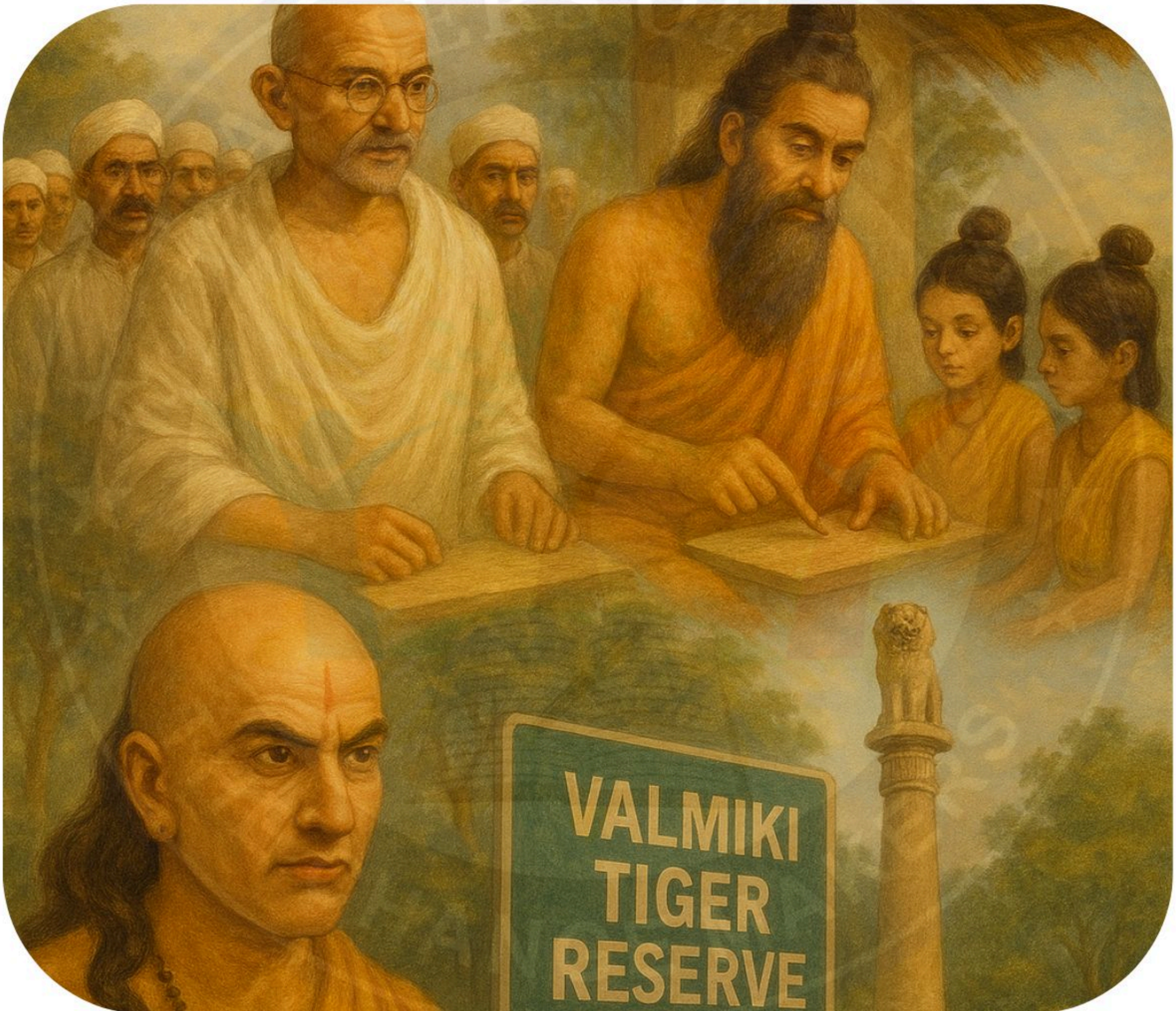

"मुझे वह धर्म पसंद है जो स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व सिखाता है।" -डॉ. BR Ambedkar

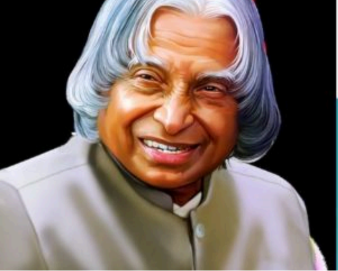

विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक उन्नति की ओर....

संपादकः- शैलेन्द्र कुमार

www.teachersofbihar.org

अनुभाग-1

"प्रार्थना-सभा सामग्री"

Thursday Prayer

मुझे इस दुनिया में लाया, मुझे बोलना चलना सिखाया
ओ मात पिता तुम्हे वंदन, मैंने किस्मत से तुझे पाया।

मैं जब से जग में आया, बन तब से शीतल छाया,
कभी सहलाया गोदी में, कभी कांधे पर है बिठाया।
मेरे सिर पर हाथ रख कर, बस प्यार ही प्यार लुटाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन....

मैं उठाकर सर चल पाऊ, इस लायक तुमने किया है।
कहीं हाथ नहीं फैलाऊ, मुझे इतना तुमने दिया है।
मुझे जग की रीत सिखाई, मुझे धर्म का पाठ पढ़ाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन....

मां-बाप की आंखों से मैं, आंसू बनकर ना गीरूगा।
मां बाप का दिल जो दुखा दे, मैं ऐसा कुछ ना करूंगा।
मां बाप के रूप में मैंने, भगवान को जैसे पाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन ....

जब देव भी मात पिता के, उपकार चुका ना पाए।
नागोड़ा दरबार प्रदीप, किन शब्दों में गुण गाए।
मैं फर्ज निभा पाऊं तो, समझूंगा अश चुकाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन ..

मुझे इस दुनिया में लाया मुझे बोलना चलना सिखाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन........!

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार ,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणाः शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारइ प्रतिमा गढ़ि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।

संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14–18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19–22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23–24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25–28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29–30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) – मौलिक कर्तव्य:
भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह –
(1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(2.) स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
(6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
(10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
(11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

वर्ग:- प्राथमिक (1 - 5) के लिए

सामान्य-ज्ञान

प्रश्न 1: यूरोपीय देश 'जर्मनी' की राजधानी कहाँ है?
उत्तर: बर्लिन (Berlin)
प्रश्न 2: विश्व की सबसे बड़ी ताजे पानी की झील (Freshwater Lake) कौन सी है?
उत्तर: सुपीरियर झील (Lake Superior - उत्तर अमेरिका)
प्रश्न 3: 'बाउल' (Baul) किस राज्य का प्रसिद्ध लोक गायन और सूफी संगीत है?
उत्तर: पश्चिम बंगाल
प्रश्न 4: एक 'विषमबाहु त्रिभुज' (Scalene Triangle) की तीनों भुजाएँ कैसी होती हैं?
उत्तर: तीनों भुजाओं की लंबाई अलग-अलग (असमान) होती है।
प्रश्न 5: बिहार में कुल कितने प्रमंडल (कमिश्नरी) हैं?
उत्तर: 9
प्रश्न 6: प्रत्येक वर्ष '10 दिसंबर' को विश्व स्तर पर कौन सा दिवस मनाया जाता है?
उत्तर: मानवाधिकार दिवस (Human Rights Day)
प्रश्न 7: 'बारूद' (Gunpowder) का आविष्कार किस देश में हुआ था?
उत्तर: चीन
प्रश्न 8: भारत के 'प्रथम मुख्य चुनाव आयुक्त' (First Chief Election Commissioner) कौन थे?
उत्तर: सुकुमार सेन
प्रश्न 9: 'कनक-कनक ते सौ गुनी मादकता अधिकाय'—यहाँ 'कनक' शब्द के दो अलग-अलग अर्थ क्या हैं?
उत्तर: सोना और धतूरा
प्रश्न 10: पृथ्वी सूर्य का एक चक्कर कितने समय में लगाती है?
उत्तर: एक वर्ष (365 दिन और 6 घंटे)

संकलन:-

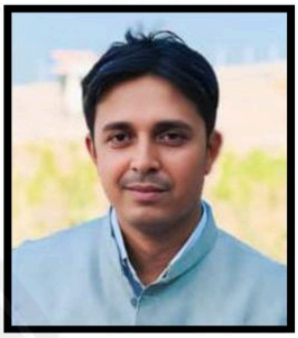

पिन्टू कुमार
विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

1. Jump – (जम्प) – कूदना
2. Open – (ओपन) – खोलना
3. Close – (क्लोज़) – बंद करना
4. Shut – (शट) – बंद करना
5. Wash – (वॉश) – धोना
6. Clean – (क्लीन) – साफ करना

संकलन:-
सौरभ कुमार
विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

थीम: "मैं ... नहीं हूँ" (I am not ...)

मैं खुश नहीं हूँ। – I am not happy.
मैं ठीक नहीं हूँ। – I am not fine.
मैं तैयार नहीं हूँ। – I am not ready.
मैं व्यस्त नहीं हूँ। – I am not busy.
मैं सुरक्षित नहीं हूँ। – I am not safe.

संकलन:-
सुनील कुमार राम
प्रधान शिक्षक
Govt. PS चिउटाहां
बगहा-2, प. चम्पारण

"सामान्य-ज्ञान"(वर्ग:6-12)

1. आज 16 अप्रैल को भारतीय रेल के इतिहास में किस गौरवशाली घटना की वर्षगांठ मनाई जाती है? (दिवस ज्ञान)
उत्तर: भारत में पहली यात्री ट्रेन का परिचालन (1853)
व्याख्या: 16 अप्रैल 1853 को भारत की पहली यात्री ट्रेन बोरी बंदर (मुंबई) से ठाणे के बीच चली थी। इस ट्रेन ने 34 किमी की दूरी तय की थी। यह भारत में आधुनिक परिवहन और संचार के युग की शुरुआत थी, जिसने देश के आर्थिक और सामाजिक एकीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।
संदर्भ: रेल मंत्रालय, भारत सरकार (2026); NCERT कक्षा 8 इतिहास।

2. हाल ही में 'बिहार सरकार' ने किस जिले में 'राज्य का पहला अत्याधुनिक फल एवं सब्जी प्रसंस्करण केंद्र' (Processing Centre) चालू करने की घोषणा की है? (समसामयिकी)
उत्तर: वैशाली (हाजीपुर)
व्याख्या: अप्रैल 2026 में वैशाली के हाजीपुर क्षेत्र में इस केंद्र को पूरी तरह क्रियाशील किया गया है। यहाँ स्थानीय स्तर पर उगाई जाने वाली सब्जियों और फलों (जैसे केला) के मूल्य संवर्धन (Value Addition) पर कार्य होगा। इससे किसानों की उपज की बर्बादी कम होगी और उन्हें बेहतर बाजार मूल्य प्राप्त होगा।
संदर्भ: कृषि विभाग, बिहार सरकार (अप्रैल 2026)।

3. "दशकुमारचरितम्" नामक सुप्रसिद्ध संस्कृत गद्य काव्य के रचयिता कौन हैं? (पुस्तक - लेखक)
उत्तर: आचार्य दण्डी
व्याख्या: आचार्य दण्डी द्वारा रचित 'दशकुमारचरितम्' में दस राजकुमारों के अद्भुत और साहसिक कारनामों का वर्णन है। यह ग्रंथ प्राचीन भारत की सामाजिक व्यवस्था, तत्कालीन रीति-रिवाजों और लोक-जीवन को समझने का एक जीवंत माध्यम है। यह संस्कृत साहित्य की 'गद्य त्रयी' में महत्वपूर्ण स्थान रखता है।
संदर्भ: NCERT कक्षा 7 इतिहास, अध्याय 9।

4. जल संरक्षण का प्रमुख उपाय क्या है? (पर्यावरण)
उत्तर: वर्षा जल संचयन
व्याख्या: वर्षा जल संचयन जल संरक्षण का एक प्रभावी तरीका है, जिसमें वर्षा के जल को एकत्रित कर भविष्य के उपयोग हेतु संग्रहित किया जाता है। इससे भूजल स्तर बढ़ता है और जल संकट की समस्या कम होती है। यह सतत विकास और पर्यावरण संरक्षण के लिए अत्यंत आवश्यक है।
संदर्भ: NCERT Class 7 Geography, Ch 5 (Water), p. 49–52

5. प्राचीन भारत में 'कोल्डिहवा' (उत्तर प्रदेश) नामक पुरास्थल किस अनाज की खेती के सबसे प्राचीन प्रमाणों के लिए जाना जाता है? (इतिहास)
उत्तर: चावल
व्याख्या: बेलन घाटी में स्थित कोल्डिहवा से लगभग 6000 ईसा पूर्व के चावल की खेती के साक्ष्य मिले हैं। यह विश्व में चावल की खेती के सबसे पुराने प्रमाणों में से एक माना जाता है। यह पुरास्थल इस बात का प्रमाण है कि प्राचीन भारतीय अपनी खाद्य जरूरतों के लिए उन्नत कृषि तकनीकों का प्रयोग करते थे।
संदर्भ: NCERT कक्षा 6 इतिहास, अध्याय 2, पृष्ठ 13।

"सामान्य-ज्ञान"

6. भारत का वह कौन सा राज्य है जिसकी सीमाएं उत्तर में भूटान और दक्षिण में बांग्लादेश को स्पर्श करती हैं? (भूगोल)
उत्तर: असम
व्याख्या: भौगोलिक दृष्टि से असम की सीमाएं दो अलग-अलग अंतरराष्ट्रीय देशों से लगती हैं— उत्तर में भूटान और दक्षिण में बांग्लादेश। असम के माध्यम से ही शेष उत्तर-पूर्वी राज्य शेष भारत से जुड़ते हैं, जो इसे सामरिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण बनाता है।
संदर्भ: NCERT कक्षा 9 भूगोल, अध्याय 1 (भारत - आकार और स्थिति), पृष्ठ 6।

7. भारतीय संविधान का वह कौन सा अनुच्छेद है जो 'समान कार्य के लिए समान वेतन' (Equal Pay for Equal Work) का प्रावधान करता है? (संविधान)
उत्तर: अनुच्छेद 39(d)
व्याख्या: राज्य के नीति निर्देशक तत्वों के अंतर्गत यह अनुच्छेद सुनिश्चित करता है कि पुरुषों और महिलाओं दोनों को समान कार्य के लिए समान वेतन प्राप्त हो। यह प्रावधान लैंगिक समानता और आर्थिक न्याय को बढ़ावा देने के लिए संविधान का एक प्रमुख स्तंभ है।
संदर्भ: NCERT कक्षा 11 राजनीति विज्ञान, अध्याय 2, पृष्ठ 43।

8. वैसी रासायनिक अभिक्रिया जिसमें किसी यौगिक से 'हाइड्रोजन का ह्रास' (निकलना) होता है, क्या कहलाती है? (विज्ञान)
उत्तर: उपचयन (Oxidation)
व्याख्या: किसी पदार्थ में ऑक्सीजन का जुड़ना या हाइड्रोजन का निकलना 'उपचयन' कहलाता है। इसके ठीक विपरीत, हाइड्रोजन का जुड़ना या ऑक्सीजन का निकलना 'अपचयन' (Reduction) कहलाता है। श्वसन की प्रक्रिया भी एक प्रकार की उपचयन अभिक्रिया है।
संदर्भ: NCERT कक्षा 10 विज्ञान, अध्याय 1, पृष्ठ 12।

9. विश्व प्रसिद्ध 'कैलाश मंदिर' (एलोरा) का निर्माण किस राजवंश के शासकों ने एक ही विशाल चट्टान को काटकर करवाया था? (कला एवं संस्कृति)
उत्तर: राष्ट्रकूट वंश
व्याख्या: महाराष्ट्र में स्थित यह भव्य मंदिर राष्ट्रकूट राजा कृष्ण प्रथम द्वारा 8वीं शताब्दी में बनवाया गया था। इसे 'एकाश्म' (Monolithic) वास्तुकला का सबसे उत्कृष्ट उदाहरण माना जाता है क्योंकि इसे ऊपर से नीचे की ओर एक ही चट्टान को तराश कर बनाया गया है।
संदर्भ: NCERT कक्षा 11 (Fine Arts) भारतीय कला का परिचय, अध्याय 5, पृष्ठ 75।

10. बिहार के किस जिले में 'विक्रमशिला सेतु' स्थित है, जो गंगा नदी पर बना एक प्रमुख और विशाल पुल है? (बिहार GK)
उत्तर: भागलपुर
व्याख्या: भागलपुर में गंगा नदी पर बना यह सेतु उत्तर और दक्षिण बिहार को जोड़ने वाली एक महत्वपूर्ण कड़ी है। यह डॉल्फिन अभ्यारण्य के पास स्थित है और क्षेत्र की आर्थिक गतिविधियों व परिवहन को सुगम बनाता है। यह बिहार की आधुनिक इंजीनियरिंग संरचनाओं का एक प्रमुख उदाहरण है।
संदर्भ: बिहार पर्यटन विभाग; SCERT बिहार कक्षा 9 भूगोल।

"सामान्य-ज्ञान"

11. सुरक्षित शनिवार (अप्रैल W2): विद्यालय में जोखिमों की पहचान (Hazard Hunt) करने के बाद तैयार की गई 'विद्यालय आपदा प्रबंधन योजना' (SDMP) की चर्चा कहाँ की जानी चाहिए? (विद्यालय सुरक्षा)
उत्तर: विद्यालय शिक्षा समिति (VSS) की बैठक में
व्याख्या: आपदा कैलेंडर 2026 (अप्रैल W2) के अनुसार, बाल प्रेरकों और फोकल शिक्षक द्वारा तैयार की गई सुरक्षा योजना को विद्यालय शिक्षा समिति की बैठक में प्रस्तुत करना अनिवार्य है। इसका उद्देश्य अभिभावकों और स्थानीय समुदाय को विद्यालय की सुरक्षा स्थिति से अवगत कराना और उनके सहयोग से जोखिमों को कम करना है।
संदर्भ: मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम एवं सुरक्षित शनिवार वार्षिक सारणी।

12. 'शिक्षक' का संबंध जो 'विद्यालय' से है, वही संबंध 'डॉक्टर' का किससे होगा? (मानसिक योग्यता)
उत्तर: अस्पताल
व्याख्या: यह 'सादृश्यता' (Analogy) का प्रश्न है। जिस प्रकार एक शिक्षक के कार्य करने का मुख्य स्थान 'विद्यालय' होता है, उसी प्रकार एक डॉक्टर के कार्य करने का मुख्य स्थान 'अस्पताल' होता है। यह प्रश्न छात्रों के व्यावसायिक बोध और तार्किक संबंधों को समझने की क्षमता को परखता है।
संदर्भ: NTSE मानसिक योग्यता अभ्यास।

GK संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर
बगहा-2, प. चम्पारण ।

अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

1. Noble (नोबल) = Honorable / Virtuous (ऑनेरेबल / वर्चुअस) = सम्माननीय / श्रेष्ठ
🔁 Antonym – Ignoble (इग्नोबल) = नीच
2. Nurture (नर्चर) = Care / Develop (केयर / डेवलप) = पालन-पोषण करना
🔁 Antonym – Neglect (नेग्लेक्ट) = उपेक्षा करना
3. Notion (नोशन) = Idea / Belief (आइडिया / बिलीफ) = विचार / धारणा
🔁 Antonym – Reality (रियलिटी) = वास्तविकता
4. Nimble (निम्बल) = Quick / Agile (क्विक / एजाइल) = फुर्तीला / चुस्त
🔁 Antonym – Clumsy (क्लम्ज़ी) = अनाड़ी
5. Neutral (न्यूट्रल) = Impartial / Unbiased (इम्पार्शियल / अनबायस्ड) = निष्पक्ष
🔁 Antonym – Biased (बायस्ड) = पक्षपाती

~: संकलन :~
राकेश कुमार राव
प्रधानाध्यापक
PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय
वाल्मीकिनगर, बगहा-2 , प. चम्पारण ।

अनुभाग-5

"आज का अख़बार"

NATIONAL NEWS

1.Samrat Choudhary sworn in as 24th Chief Minister of Bihar; first BJP Chief Minister in the state's history, Nitish Kumar attends swearing-in ceremony.
सम्राट चौधरी बिहार के 24वें मुख्यमंत्री पद की शपथ ली; राज्य के इतिहास में भाजपा के पहले मुख्यमंत्री, नीतीश कुमार शपथ ग्रहण समारोह में मौजूद।

PM Modi congratulates new Bihar government; assures full central support for development and says 'Bihar's journey of Viksit Bharat accelerates'.
पीएम मोदी ने नई बिहार सरकार को बधाई दी; विकास के लिए पूर्ण केंद्र समर्थन का आश्वासन, कहा 'विकसित भारत की यात्रा तेज होगी'।

India's nuclear power capacity to double by 2032; Union Cabinet approves 10 new reactors following Kalpakkam PFBR success.
2032 तक भारत की परमाणु ऊर्जा क्षमता दोगुनी; कलपाक्कम PFBR सफलता के बाद केंद्रीय कैबिनेट ने 10 नए रिएक्टर मंजूर किए।

INTERNATIONAL NEWS

US-Iran ceasefire extended by another 15 days after productive talks in Oman; Trump calls it 'major progress towards lasting peace'.
अमेरिका-ईरान युद्धविराम 15 दिन और बढ़ाया गया, ओमान में उत्पादक बातचीत के बाद; ट्रंप ने 'स्थायी शांति की दिशा में बड़ी प्रगति' बताया।

Houthis announce temporary suspension of Red Sea attacks following international pressure; global shipping costs begin to ease.
हूती विद्रोहियों ने अंतरराष्ट्रीय दबाव के बाद लाल सागर हमलों पर अस्थायी रोक लगाई; वैश्विक शिपिंग लागत में कमी आने लगी।

China and Russia welcome Iran ceasefire extension; propose joint economic reconstruction plan for West Asia post-conflict.
चीन और रूस ने ईरान युद्धविराम विस्तार का स्वागत किया; युद्ध के बाद पश्चिम एशिया के आर्थिक पुनर्निर्माण के लिए संयुक्त योजना प्रस्तावित।

BIHAR NEWS

Samrat Choudhary announces first cabinet; 18 ministers including 9 from BJP and 9 from NDA allies, portfolio allocation expected soon.
सम्राट चौधरी ने पहली कैबिनेट घोषित की; 18 मंत्री (9 भाजपा + 9 सहयोगी), विभागों का बंटवारा जल्द।

Nitish Kumar to take oath as Rajya Sabha MP on April 20; says he will continue working for Bihar's development from Upper House.
नीतीश कुमार 20 अप्रैल को राज्यसभा सांसद के रूप में शपथ लेंगे; कहा ऊपरी सदन से भी बिहार के विकास के लिए काम जारी रखेंगे।

SPORTS NEWS

IPL 2026: Delhi Capitals thrash Gujarat Titans by 9 wickets; KL Rahul scores unbeaten 96 as DC register second consecutive win.
आईपीएल 2026: दिल्ली कैपिटल्स ने गुजरात टाइटंस को 9 विकेट से रौंदा; केएल राहुल का नाबाद 96, DC ने लगातार दूसरी जीत दर्ज की।

Virat Kohli named Player of the Week in IPL 2026; RCB remains unbeaten after four matches, tops the points table.
विराट कोहली को आईपीएल 2026 का 'वीक ऑफ द प्लेयर' चुना गया; RCB चार मैचों में अपराजित, पॉइंट्स टेबल पर टॉप पर।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।

✍️ संदेश:

"करेंट अफेयर्स का नियमित अध्ययन ही प्रतियोगी सफलता की सबसे मजबूत नींव है।"

प्रेरक प्रसंग

“आवाज की ताकत”

16 अप्रैल की सुबह थी। विद्यालय की प्रार्थना सभा में आज विश्व आवाज़ दिवस के अवसर पर विशेष चर्चा हो रही थी। सभी छात्र ध्यानपूर्वक सुन रहे थे।
मैडम जी मंच पर आईं और बोलीं—
“बच्चों, क्या तुम जानते हो कि हमारी आवाज़ हमारी सबसे बड़ी ताकत होती है? सही समय पर सही बात कहना जीवन बदल सकता है।”
फिर उन्होंने एक कहानी सुनाई—
एक छात्र था रवि। वह पढ़ाई में अच्छा था, लेकिन बहुत शर्मीला था। कक्षा में कभी हाथ उठाकर जवाब नहीं देता था, न ही मंच पर बोलने की हिम्मत करता था। उसे डर लगता था कि लोग उसका मजाक उड़ाएँगे।
एक दिन विद्यालय में भाषण प्रतियोगिता की घोषणा हुई। मैडम जी ने रवि को भी भाग लेने के लिए कहा। पहले तो वह डर गया, लेकिन मैडम जी ने उसे समझाया—
“अगर तुम अपनी आवाज़ को दबाकर रखोगे, तो दुनिया तुम्हारी बात कैसे सुनेगी?”
रवि ने हिम्मत जुटाई। उसने रोज़ अभ्यास करना शुरू किया—आईने के सामने बोलना, धीरे-धीरे आत्मविश्वास बढ़ाना।
प्रतियोगिता के दिन वह मंच पर पहुँचा। शुरुआत में उसकी आवाज़ थोड़ी कांप रही थी, लेकिन कुछ ही क्षणों में वह संभल गया और पूरे आत्मविश्वास के साथ अपना भाषण पूरा किया।
सबने तालियाँ बजाईं। रवि को पहला स्थान तो नहीं मिला, लेकिन उसे अपनी सबसे बड़ी जीत मिल गई—अपनी आवाज़ पर विश्वास।
मैडम जी ने मुस्कुराते हुए कहा—
“बच्चों, याद रखो—जिसने अपनी आवाज़ को पहचान लिया, उसने अपनी पहचान बना ली।”
सभा के अंत में सभी छात्रों ने संकल्प लिया—
“हम अपनी आवाज़ का सही और सकारात्मक उपयोग करेंगे।”

🌟 **संदेश**

“आवाज़ छोटी हो या बड़ी, अगर उसमें आत्मविश्वास है, तो वह दुनिया बदल सकती

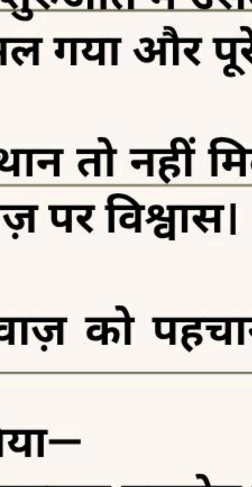

……………✍️
मनोज कुमार
प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण।

"शिक्षक संवर्धन"

"त्रुटि विश्लेषण (Error Analysis) का महत्व"

विद्यालयी शिक्षण में बच्चों की गलतियों को अक्सर कमजोरी के रूप में देखा जाता है, जबकि वास्तव में यही गलतियाँ सीखने का सबसे बड़ा अवसर होती हैं। जब बच्चा कोई त्रुटि करता है, तो वह यह संकेत देता है कि उसे उस अवधारणा को समझने में कहाँ कठिनाई हो रही है। इसी प्रक्रिया को समझने और सुधारने को त्रुटि विश्लेषण (Error Analysis) कहा जाता है।

त्रुटि विश्लेषण का अर्थ है—बच्चों द्वारा की गई गलतियों को ध्यानपूर्वक समझना, उनके कारणों का पता लगाना और उसी के अनुसार सुधारात्मक शिक्षण करना। यह केवल "गलत है" कह देने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह जानने की प्रक्रिया है कि गलती क्यों हुई और उसे कैसे ठीक किया जाए।

उदाहरण के लिए यदि कोई बच्चा गणित में 23 + 9 = 212 लिखता है, तो यह केवल जोड़ की गलती नहीं है, बल्कि यह संकेत है कि बच्चा स्थान मान (Place Value) की अवधारणा को सही से नहीं समझ पाया है। यदि शिक्षक इस गलती का विश्लेषण करते हैं, तो वे उस मूल कारण तक पहुँच सकते हैं और उसी के अनुसार शिक्षण कर सकते हैं।

त्रुटि विश्लेषण का सबसे बड़ा लाभ यह है कि यह शिक्षण को अधिक प्रभावी और लक्षित (Targeted) बनाता है। जब शिक्षक को यह स्पष्ट हो जाता है कि बच्चों को कहाँ और किस प्रकार की कठिनाई हो रही है, तो वे उसी के अनुसार अपनी शिक्षण विधि में सुधार कर सकते हैं। इससे बच्चों की सीखने की गति तेज होती है और वे आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ते हैं।

यह प्रक्रिया विशेष रूप से "निपुण बिहार" और आधारभूत साक्षरता एवं संख्यात्मकता (FLN) के संदर्भ में बहुत महत्वपूर्ण है। यदि प्रारंभिक कक्षाओं में ही बच्चों की गलतियों को सही ढंग से समझ लिया जाए, तो आगे चलकर बड़ी कठिनाइयों से बचा जा सकता है।

त्रुटि विश्लेषण करते समय शिक्षक को यह ध्यान रखना चाहिए कि बच्चों को उनकी गलतियों के लिए डाँटा या अपमानित न किया जाए, बल्कि उन्हें यह महसूस कराया जाए कि गलती करना सीखने का एक स्वाभाविक हिस्सा है। यदि बच्चा डर के कारण अपनी गलती छिपाएगा, तो वह कभी सुधार नहीं कर पाएगा।

इसके लिए शिक्षक बच्चों के साथ चर्चा कर सकते हैं, उन्हें अपनी गलती स्वयं पहचानने का अवसर दे सकते हैं और सही उत्तर तक पहुँचने में मार्गदर्शन कर सकते हैं। इससे बच्चों में स्व-अधिगम (Self Learning) और समस्या समाधान की क्षमता विकसित होती है।

अंततः कहा जा सकता है कि त्रुटि विश्लेषण सीखने को गहराई से समझने का एक प्रभावी माध्यम है। यह बच्चों की कमजोरियों को ताकत में बदलने का अवसर प्रदान करता है। जब शिक्षक इस प्रक्रिया को सकारात्मक और संवेदनशील दृष्टिकोण से अपनाते हैं, तब कक्षा में सीखने का वातावरण अधिक खुला, आत्मविश्वासपूर्ण और परिणामदायी बन जाता है।

.................✍️

मनोज कुमार झा
प्रधानाध्यापक
राज़कीयकृत म.वि. सर्वोदय
बेतिया, प. चम्पारण।

"पाठक पृष्ठ"

दैनिक भास्कर बेतिया भास्कर 06-04-2026

संडे पॉजिटिव — सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकांत मिश्र|बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रभावी शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चम्पारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पीडीएफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिल्पकारों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चम्पारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जस्वित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल

निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संकल्प शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चम्पारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह शैलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेंगे, तो

शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकालकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं,बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों,बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है,तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम

हिन्दुस्तान

सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

हि विशेष

■ चन्द्रभूषण शांडिल्य

बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक जानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं। ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरु हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फॉलो किया जा रहा है। रोज प्रार्थना की घंटी बजने के बार इसका वाचन होता है और बच्चों को नयी जानकारी मिलती है। हम बात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की। जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवसानी पंचायत के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय औसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के ग्रुपों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है। एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि आखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाए तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की श्रृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा चंपारण ज्ञानाग्रह। इसको कुछ शिक्षा वाले ग्रुपों में शेयर किया रिस्पॉन्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में चेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया। आज हजार के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसके 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

- चेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का
- गर्मियो की छूट्टी के दौरान शुरु हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

01

सौ आठ अंक का हो चुका प्रकाशन

सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वें अंक में प्रश्न हैं, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त में यूरिया का उत्सर्जन कहा से होता है, तत्वों का वर्गीकरण किसने किया। विद्युत परिपथ में स्वीच का कार्य, पर्यावरण में प्राथमिक उत्पादक, मानव में पाचन एंजाइम का उदाहरण, चौरंगी के लेखक कौन हैं। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत में प्रेरक प्रसंग शामिल है।

हिन्दुस्तान

स्कूली बच्चे देश दुनिया की खबरों से प्रत्येक दिन हो रहे रू-ब-रू

हि विशेष

- चेतना सत्र में बच्चों को दी जा रही जानकारी
- बगहा-2 प्रखंड के दर्जनों स्कूल में एचएम की पहल

बगहा,हमारे संवाददाता। बगहा-2 प्रखंड के सरकारी विद्यालयों में इन दिनों पारंपरिक पढ़ाई के साथ-साथ प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। शिक्षकों व प्रधानाध्यापकों की पहल पर एक दर्जन से अधिक स्कूलों में छात्रों को सामान्य ज्ञान और समसामयिक विषयों की जानकारी देकर उन्हें प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार किया जा रहा है। चेतना सत्र को अब केवल प्रार्थना तक सीमित नहीं रखा गया है, बल्कि इसे ज्ञानवर्धक सत्र का रूप दे दिया गया है। प्रतिदिन सुबह चेतना सत्र के दौरान राष्ट्रगीत और प्रार्थना के साथ-साथ उस दिन की तिथि से जुड़ी ऐतिहासिक, सामाजिक और सांस्कृतिक जानकारियां भी विद्यार्थियों को दी जा रही हैं। इससे छात्रों का सामान्य ज्ञान बढ़ रहा है और वे विभिन्न विषयों के प्रति जागरूक हो रहे हैं। प्रधानाध्यापक दयाशंकर साह, प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार, नीतू कुमारी सहित शिक्षको में पिंटू कुमार, शैलेश पासवान, तीरेन्द्र राम सहित दर्जनो ने बताया कि सरकारी विद्यालय किसी भी स्तर पर निजी विद्यालयो से बेहतर है। किताबी ज्ञान के साथ ही साथ व्यवहारिक, प्रतियोगी परीक्षाओं के साथ समसामयिक ज्ञान से उनको रुबरु कराया जाता है। इसके अलावा चेतना सत्र में ही हर दिन एक साहित्यकार और उनके साहित्य के बारे में भी जानकारी दी जा रही है। शिक्षक छात्रों को प्रमुख कवियों, लेखकों और उनके रचनात्मक योगदान के बारे में बताते हैं। शिक्षकों का कहना है कि इस पहल का उद्देश्य छात्रों को सिर्फ पाठ्यक्रम तक सीमित न रखकर उन्हें व्यापक ज्ञान देना है, ताकि भविष्य में वे विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन कर सकें।बगहा-2 प्रखंड के कई सरकारी विद्यालयों में चेतना सत्र को अधिक ज्ञानवर्धक और रोचक बनाने की पहल की जा रही है। यहां प्रतिदिन चेतना सत्र के दौरान छात्रों को एक सुविचार के साथ सामान्य ज्ञान के पांच प्रश्न भी पूछे जा रहे हैं। इसके अलावा शिक्षकों द्वारा विद्यार्थियों को प्रेरणादायक कहानियां भी सुनाई जा रही हैं, जिससे उनमें नैतिक मूल्यों और सकारात्मक सोच का विकास हो सके। बगहा दो के बीईओ फूदन राम ने बताया कि चेतना सत्र के दौरान बच्चो को समसामयिक ज्ञान के साथ ही साथ कई जानकारियो से रुबरु कराया जाता है।

प्राथमिक विद्यालय पटेहरा में चेतना सत्र के दौरान बच्चों को जानकारी देतीं शिक्षिकाएं।

"(इंटरमीडिएट के बाद – B.Sc IT (Information Technology))"

'संपादकीय'

प्रिय विद्यार्थियों,

डिजिटल युग में सूचना प्रौद्योगिकी (IT), डेटा, सॉफ्टवेयर और नेटवर्किंग का महत्व तेजी से बढ़ रहा है। यदि आपकी रुचि कंप्यूटर सिस्टम, प्रोग्रामिंग, नेटवर्क, साइबर सुरक्षा और डेटा मैनेजमेंट में है, तो B.Sc IT (Information Technology) एक उत्कृष्ट और भविष्य-उन्मुख स्नातक कोर्स है। इसमें Programming (Python/Java), Database, Networking, Web Development, Cloud Computing, Cyber Security जैसे विषयों का अध्ययन कराया जाता है, जिससे आप आईटी उद्योग के लिए तैयार होते हैं।

अर्हता: 12वीं उत्तीर्ण (Science/Commerce); कुछ संस्थानों में गणित/कंप्यूटर विषय आवश्यक।

नामांकन प्रक्रिया: अधिकतर विश्वविद्यालयों में मेरिट/प्रवेश परीक्षा के आधार पर ऑनलाइन आवेदन से प्रवेश।

बिहार के प्रमुख सरकारी विश्वविद्यालय:
Patna University – patnauniversity.ac.in
Babasaheb Bhimrao Ambedkar Bihar University – brabu.net
Nalanda Open University – nalandaopenuniversity.com

देश के प्रमुख सरकारी संस्थान:
University of Delhi – du.ac.in
Banaras Hindu University – bhu.ac.in
Jawaharlal Nehru University – jnu.ac.in

कोर्स अवधि: 3 वर्ष (6 सेमेस्टर)।

रोजगार की संभावना:
IT कंपनियाँ, सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट, वेब/ऐप डेवलपमेंट, नेटवर्क एडमिन, साइबर सिक्योरिटी, डेटा एनालिस्ट। प्रारंभिक वेतन ₹20,000–45,000 प्रति माह, अनुभव के साथ तेजी से वृद्धि।

आगे के अवसर:
M.Sc IT, MCA, Data Science, Artificial Intelligence, Cyber Security, Cloud Computing जैसे उन्नत क्षेत्रों में विशेषज्ञता।

वित्तीय सहायता:
उच्च शिक्षा के लिए बिहार सरकार की स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना (drcc.bihar.gov.in) का लाभ लिया जा सकता है। छात्रवृत्ति हेतु National Scholarship Portal – scholarships.gov.in पर आवेदन करें।

संक्षिप्त सलाह: यदि आप टेक्नोलॉजी, कंप्यूटर और डिजिटल दुनिया में करियर बनाना चाहते हैं, तो B.Sc IT आपके लिए एक स्मार्ट और सुरक्षित विकल्प है।

अगले पत्र में – मैट्रिक के बाद : Carpentry (Wood Work Skill Course)। 🪚

...........✍️

शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के लिए...!!!

संपादक:-

शैलेन्द्र कुमार

'प्रधान शिक्षक'

Govt. PS बोदसर,

बगहा-2, प. चम्पारण।

(10010803702)

📱-9939671700

अगर आपके मन में कोई नया विचार, कोई इवेंट, कोई एक्टिविटी या किसी बदलाव की पहल है, तो कृपया टीम में बताइए।

+917250818080

teachersofbihar@gmail.com

+917250818080

www.teachersofbihar.org